खंड–4 अंक–140दिनांक– 28/06/2019

के. रि. पु. बल ई–संवाद
सेवा एवं निष्ठा

महानिदेशक सीआरपीएफ का झारखंड दौरा

24 जून 2019 को सीआरपीएफ महानिदेशक श्री राजीव राय भटनागर ने झारखंड सेक्टर का दौरा किया। अपने दौरे के दौरान उन्होंने बल कर्मियों को उनके असाधारण पेशेवर कौशल के लिए महानिदेशक प्रशंसा डिस्क और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

झारखंड सेक्टर, रांची

ग्रुप केंद्र सिलिगुड़ी

174 बटा सीआरपीएफ

हनी ट्रैप — सावधान !

हनी ट्रैप एक ऐसा जाल है जिसमें फंसने वाला यह भी नहीं जानता कि वह इसमें फंस कर शिकार बनने जा रहा है। खूबसूरत महिला एजेंट बल कर्मियों को फंसाती हैं और उनसे महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल करती हैं।

पाकिस्तानी जासूसी संस्था आईएसआई भारत के खिलाफ़ इस हथियार का जमकर इस्तेमाल कर रही है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई अक्सर बल से जुड़े लोगों को फंसाने का प्रयास करती है और उनसे जानकारियां हासिल करती है। देश में निगरानी रखने वाली विभिन्न एजेंसियों ने उस खतरनाक दर की ओर इशारा किया है जिस दर पर हनी ट्रैपिंग की जा रही है। इसमें शामिल लोगों के नाम और सूचनाओं को किस स्तर का जोखिम हैं, रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से इसका संकेत है। यहां यह ध्यान रखना आवश्यक है कि किसी भी प्रतिबंधित सूचना को साझा करने पर सख्त वैद्यानिक कार्रवाई की जा सकती है, यहां तक कि इसे राष्ट्रद्रोह अथवा देशद्रोह भी माना जा सकता है।

सोशल मीडिया की विशाल उपस्थिति और इंटरनेट पर आसान पहुंच के कारण बल कर्मियों को फंसाने के लिए सोशल मीडिया को पहली प्राथमिकता दी जाती है। यह कतई जरूरी नहीं है कि जो सोशल मीडिया अकाउंट किसी महिला से संबंधित दिखता है वह वास्तव में किसी महिला का ही हो। अक्सर पुरूष एजेंट बल कर्मियों को दोस्ती का लालच देने के लिए आकर्षक महिलाओं की तस्वीरें लगाकर फर्जी प्रोफाइल बनाते हैं। ऐसे एजेंट विशेष रूप से ऐसे कर्मियों को अपना निशाना बनाते हैं जो सोशल मीडिया साइट्स पर वर्दी में अपनी फोटो डालते हैं। हनी ट्रैपिंग की प्रक्रिया में बल से जुड़े लोगों का विश्वास जीतने के लिए फोन नंबरों का आदान–प्रदान भी किया जाता है। व्हाट्सएप/मैसेंजर पर चैटिंग होती है। ऐसी चैटिंग के दौरान अंतरंग तस्वीरें, अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी/संगठन और देश से संबंधित गुप्त सूचनाएं इकठ्ठा की जाती हैं और फिर उन्हें ब्लैकमेल किया जाता है।

विभिन्न मामलों में ऐसी लड़कियां(एजेंट) यूरोपियन अथवा अमेरिकन अथवा मीडिया कर्मी होने का दिखावा करती हैं। अक्सर सूचनाओं के आदान–प्रदान, सुरक्षा प्रतिष्ठानों की तस्वीरों के बदले में ये एजेंट अच्छे पैसे देने का प्रस्ताव देते हैं। यह जरूर याद रखें कि जो सूचनाएं गुप्त नहीं भी दिखती हैं उसका इस्तेमाल ऐसे एजेंटों द्वारा तथ्यों को दोबारा प्राप्त करने या डेटाबेस बनाने के लिए भी किया जा सकता है।